Literacy for a Billion

Movie: Prem Rog
Year: 1982

Song: Ye galiyan ye choubara
Lyricist: Shantosh Anand

ये गलियाँ ये चौबारा
यहाँ आना ना दोबारा
ये गलियाँ ये चौबारा
यहाँ आना ना दोबारा

अब हम तो भए परदेसी
के तेरा यहाँ कोई नहीं
के तेरा यहाँ कोई नहीं

ले जा रंग बिरंगी यादें
हँसने रोने की बुनियादें
अब हम तो भए परदेसी
के तेरा यहाँ कोई नहीं
के तेरा यहाँ कोई नहीं

मेरे हाथों में भरी भरी चूड़ियाँ
मुझे भा गईं हरी हरी चूड़ियाँ
देख मिलती है तेरी मेरी चूड़ियाँ
तेरे जैसी सहेली मेरी चूड़ियाँ
तूने पीसी वो मेहँदी रंग लाई
तूने पीसी वो मेहँदी रंग लाई
तेरी आँख क्यों लाड़ो भर आई
मेरी गोरी हथेली रचाई
तेरे घर भी बजेगी शहनाई

सावन में बादल से कहना
परदेस में है मेरी बहना

अब हम तो भए परदेसी
के तेरा यहाँ कोई नहीं
के तेरा यहाँ कोई नहीं

आ माँ ए मिल ले गले
चले हम ससुराल चले
तेरे आँगन में अपना
बस बचपन छोड़ चले

कल भी सूरज निकलेगा
कल भी पंछी गाएँगे
सब तुझको दिखाई देंगे
पर हम ना नज़र आएँगे
आँचल में संजो लेना हमको
सपनों में बुला लेना हमको

अब हम तो भए परदेसी
के तेरा यहाँ कोई नहीं
के तेरा यहाँ कोई नहीं

देख तू ना हमें भुलाना
माना दूर हमें हैं जाना
मेरी अल्हड़ सी अटखेलियाँ
सदा पलकों बीच बसाना

जब बजने लगे बाजे गाजे
जब लगने लगे खाली खाली
उस दम तू इतना समझना
मेरी डोली उठी है फूलों वाली
थोड़े दिन के ये नाते थे

कभी हँसते थे गाते थे
अब हम तो भए परदेसी
के तेरा यहाँ कोई नहीं
के तेरा यहाँ कोई नहीं
ये गलियाँ ये चौबारा
यहाँ आना ना दोबारा
अब हम तो भए परदेसी
के तेरा यहाँ कोई नहीं
के तेरा यहाँ कोई नहीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.